तापमान
अधिकतम 43.6 डिग्री
न्यूनतम 24.6 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार 28 अप्रैल 2026

11 नीट परीक्षा में सीसीटीवी से होगी निगरानी

12 शहरी निकाय चुनावों को लेकर पुलिस अलर्ट, शहर में निकाला फ्लैग मार्च

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। कसोला पुलिस ने रास्ता रोककर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर 26 अप्रैल को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित पक्ष की ओर से मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए गए थे। पुलिस ने इस मामले फतेहपुरी निवासी रमेश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को मामले की तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। खोल थाना पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सड़क हादसे के बाद गत 10 अप्रैल को केस दर्ज किया था। सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। वाहन चालक हादसे के बाद फरार हो गया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने धवाना निवासी श्रद्धानंद को गिरफ्तार कर लिया। हादसे को अंजाम देने वाला ट्रैक्टर भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। आरोपी को तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले का आरोपी काबू

बावल। पुलिस ने दहेज प्रताड़ना के आरोप में दर्ज मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वर्ष 2024 में एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग से समझौता कराने के प्रयास किए थे। दोनों पक्षों के बीच समझौता नहीं होने के कारण पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ 2 फरवरी को केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के बांदी कुई निवासी अरुणेश को गिरफ्तार किया है। उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

बस स्टैंड पर ब्रेकर बनवाने की मांग

डहीना। रेलवे स्टेशन वाले बस स्टैंड पर दुकानदारों ने स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की है। सुक्रमपाल, दिनेश, विजय कुमार, राजीव व राजकुमार आदि ने बताया कि कंवाली की ओर जाने वाले रोड से महेंद्रगढ़ रोड की ओर तेज गति से वाहन निकलते हैं। टी-प्वाइंट होने के कारण आए दिन बस स्टैंड पर हादसे होते रहते हैं। हाल में में वाहन की चपेट में आकर एक बच्ची भी घायल हो गई थी। दुकानदारों ने मांग की है कि इस रोड पर ब्रेकर बनाया जाए।

राव तुलाराम स्टेडियम में 9.69 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा सिंथेटिक ट्रैक

एजसी की पेमेंट न होने से सिंथेटिक ट्रैक का कार्य अटका, एथलीटों को अभी और करना पड़ेगा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर के दिल्ली रोड स्थित राव तुलाराम स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक बनाने का कार्य एक महीने से बंद पड़ा हुआ है। खेल विभाग की ओर से सिंथेटिक ट्रैक बनाने वाली एजेंसी की पेमेंट नहीं की गई है, जिसके कारण एजेंसी ने ट्रैक बनाने के कार्य को रोक दिया है, जबकि सिंथेटिक ट्रैक बनाने का कार्य अप्रैल माह में पूरा किया जाना था। सिंथेटिक ट्रैक पर 9.69 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे है। ट्रैक का कार्य बंद होने पर खेल विभाग की ओर से निदेशालय को एजेंसी की पेमेंट के लिए पत्र भी लिखा जा चुका है। ट्रैक का अभी 50 प्रतिशत कार्य बाकी है। स्टेडियम में ट्रैक बनाने के लिए जमीन को समतल करके दो लेयर डाली जा चुकी है। ट्रैक बनाने की प्रक्रिया में अभी तारकोल की लेयर डाली जानी है, जिसके बाद सिंथेटिक ट्रैक की लेयर तैयार होगी तथा प्लास्टिक घास बिछाकर ट्रैक तैयार किया जाएगा, लेकिन सिंथेटिक ट्रैक के लिए अभी खिलाड़ियों को और इंतजार करना पड़ेगा। ट्रैक के तैयार होने के बाद चारों और फ्लड लाइट भी लगाई जाएगी, जिस पर 65 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। फ्लड लाइट से रात के समय भी इवेंट कराए जा सकेंगे। साथ ही खिलाड़ी भी रात में प्रैक्टिस कर सकेंगे।

हरिभूमि सरोकार

रेवाड़ी। राव तुलाराम स्टेडियम में बंद पड़ा सिंथेटिक ट्रैक का कार्य। फोटो : हरिभूमि

» सिंथेटिक ट्रैक से धावकों को मिलेगी सुविधा

जिले के खिलाड़ियों की ओर से लंबे समय से सिंथेटिक ट्रैक बनाने की मांग की जा रही थी। प्रदेश के गुरुग्राम, फरीदाबाद, रोहतक, अंबाला, सोनीपत, पानीपत, भिवानी, पंचकूला, यमुनानगर, करनाल, कुरुक्षेत्र, हिसार और जींद के नरवाना में पहले से सिंथेटिक ट्रैक बना हुआ है। अब रेवाड़ी में पिछले 6 महीने से ट्रैक बनाने का कार्य चल रहा है, लेकिन एजेंसी की पेमेंट न होने से कार्य अटक गया है।

सिंथेटिक ट्रैक में होगी आठ लेन

सिंथेटिक ट्रैक एक खास तरह की रबर को कुसिंग करके बनाया जाता है। ट्रैक बनाने के लिए पहले मिट्टी और रोड़ी की कई परतें बिछाई जाती हैं। उसके बाद लेवलिंग करने का काम किया जाता है। इसके बाद घास भी लगाई जाती है, ताकि ट्रैक पर धूल-मिट्टी एकत्रित न हो। इसके बाद ट्रैक के चारों ओर रेलिंग लगाई जाती है ताकि धावकों के अलावा काई अन्य व्यक्ति ट्रैक पर न आ सके। इन सब कार्यों के बाद अंत में सिंथेटिक लेयर बिछाई जाती है। 400 मीटर के सिंथेटिक ट्रैक में धावकों के लिए 8 लेन होगी। ट्रैक बनने से जिले के खिलाड़ियों को अब अन्य जगह प्रैक्टिस के लिए नहीं जाना पड़ेगा। इस ट्रैक पर एथलीट बरसात में भी प्रैक्टिस कर सकते है।

रेवाड़ी। ट्रैक के पास खिलाड़ियों के लिए बनाए गए टॉयलेट। फोटो : हरिभूमि

ट्रैक का अभी आधा कार्य बाकी

स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रैक बनाने का अभी आधा कार्य बाकी है। पेमेंट नहीं होने से एजेंसी ने कार्य बंद कर दिया है, जिसके लिए निदेशालय का पत्र लिखा जा चुका है। निदेशालय से निर्देश आने पर जल्द कार्य शुरू कराया जाएगा।
ममता यादव, खेल अधिकारी, रेवाड़ी।

» खिलाड़ियों के लिए स्टोर रूम भी बनेगा

सिंथेटिक ट्रैक के एरिये में खिलाड़ियों के खेल का सामान रखने के लिए स्टोर बनवाने की भी तैयारी शुरू कर दी गई है, जिसके लिए खेल विभाग की ओर से निदेशालय को पत्र लिखा जा चुका है। ट्रैक के पास खिलाड़ियों के लिए टॉयलेट पहले ही बनाए जा चुके है। टॉयलेट बनवाने में निजी कंपनी की ओर से सीएसआर फंड के तहत सहयोग दिया गया है। इन टॉयलेट में पैरालंपिक खिलाड़ियों की सुविधा के लिए रैंप भी बनाए गए है।

गांवों में अवैध कब्जे, समाधान शिविर में कार्रवाई के दिए निर्देश

रेवाड़ी। समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनते डीसी अभिषेक मीणा।

- शिविर में बिजली, फैमिली आईडी, पेंशन व पुलिस विभाग के संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा ने सोमवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में एसपी हेमेंद्र मीणा के साथ आमजन की समस्याओं को सुनकर मौके पर ही अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में गांव सहारनवास में रास्ते पर अवैध कब्जे की शिकायत पर डीसी ने डीडीपीओ को जांच करते हुए कब्जा हटवाने के निर्देश दिए। गांव मोहदीनपुर में सरपंच की ओर से जोहड़ के रास्ते की मिट्टी को प्लाट में गिरवाने पर कार्यवाही के निर्देश दिए गए। गांव लिसाना में जोहड़ व गोचर भूमि में अवैध रास्ते के निर्माण पर डीडीपीओ को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। वही गांव मूसेपुर में रास्ते पर हो रहे अवैध कब्जे को लेकर डीसी ने कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अलावा समाधान शिविर में बिजली, फैमिली आईडी, पेंशन व पुलिस विभाग के संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सीटीएम जितेंद्र कुमार सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

गोरक्षा दल ने निकाली शोभायात्रा

गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग

रेवाड़ी। गोसम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत शोभायात्रा निकालते गोभक्त, एसडीएम विजय कुमार यादव को ज्ञापन सौंपते गोभक्त।

- शोभायात्रा का उद्देश्य समाज में गोमाता के प्रति सम्मान और संरक्षण की भावना को जागृत करना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

नाहड़ ब्लॉक गो रक्षा दल की ओर से सोमवार को गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत कोसली में शोभायात्रा निकाली गई। गोवंश को साथ लेकर शुरू हुई शोभायात्रा भाकली मोड़ से प्रारंभ होकर श्रीश्याम चौक होते हुए कोसली तहसील तक पहुंची। गोरक्षा दल के विजय यादव ने बताया कि शोभा यात्रा का उद्देश्य समाज में गोमाता के प्रति सम्मान और संरक्षण की भावना को जागृत करना है। शोभायात्रा में युवाओं ने भजन कीर्तन, पोस्टर, स्लोगन व नारों के माध्यम से गो हत्या पर रोक लगाने, खेतों और सड़कों पर भटकते गोवंश की समस्या के समाधान तथा गो रक्षा के लिए जन-जागरूकता के विषयों पर संदेश दिया गया। उन्होंने उपमंडल कार्यालय पहुंचकर कर एसडीएम विजय कुमार यादव के माध्यम से राष्टपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल व मुख्यमंत्री, के नाम ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिए जाने तथा गोवंश को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपायों को लागू करने की मांग की गई। गोरक्षा दल की संरक्षक पूनम, भाकली गांव के सरपंच श्याम सिंह व कोसली गांव के सरपंच रामकिशन सहित काफी संख्या में धार्मिक संगठनों के कार्यकर्ता व गोभक्त मौजूद थे। नाहड़ गांव में भी गोभक्त युवाओं ने उप तहसील नाहड़ से उपतहसील डहीना तक शोभा यात्रा निकाली, जिसमें अनेक युवा डहीना तहसील में पहुंचे तथा ज्ञापन सौंपकर सरकार से गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिए जाने तथा भारत में गोहत्या बंद कराने की मांग की।

ये मौजूद रहे

इस अवसर पर डा. बलकेश, डा. तुषार, एडवोकेट कर्ण सिंह, डा. दिनेश, कुलदीप आर्य, राहुल, चरण सिंह, विशाल , तरुण, मनीष व मोहित मौजूद थे।

टूमना में ट्रैक्टर के नीचे दबने से किसान की मौत

- सूचना के बाद परिजन व अन्य लोग मौके पर पहुंचे व उसे बेहोशी की हालत में अस्पताल पहुंचाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

क्षेत्र के गांव टूमना में सोमवार को खेत जोतने जा रहे एक किसान का ट्रैक्टर पलट कर खड्डे में गिर गया, जिसके नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। मृतक किसान देवदत्त के भाई प्रवीण ने कोसली पुलिस को दी सूचना में बताया कि 43 वर्षीय उनका बड़ा भाई देवदत्त ट्रैक्टर लेकर खेत जोतने गया था। दोपहर लगभग डेढ़ बजे सूचना मिली कि उसका ट्रैक्टर खड्डे में पलट गया है तथा देवदत्त ट्रैक्टर के नीचे दबा हुआ है। सूचना के बाद परिजन व अन्य लोग मौके पर पहुंचे व उसे बेहोशी की हालत में तुरंत कोसली उपमंडल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सामान्य कार्रवाई करते हुए मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

बिजली उपभोक्ता शिकायत निवारण कैंप आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली के दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के मंडल में बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए 28 अप्रैल को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक कार्यकारी अभियंता अनिश कुमार की अध्यक्षता में उपभोक्ता शिकायत निवारण न्यायाधिकरण का आयोजन किया जाएगा। कार्यकारी अभियंता ने बताया कि बैठक में गलत बिलिंग रीडिंग, कनेक्शन, मीटर व वोल्टेज से संबंधित शिकायतें सुनी जाएगी, लेकिन शिकायतों पर कोई कोर्ट केस नहीं होना चाहिए।

फ्लैट बुकिंग के नाम पर 6.19 लाख की ठगी में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

आरोपी भरत रैगर

साइबर थाना पुलिस ने गत वर्ष जून माह में गांव भोतवास भोंदू निवासी एक व्यक्ति से फ्लैट बुकिंग के नाम पर लगभग 6.19 लाख रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में दो आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर चुकी है। गत वर्ष 28 जुलाई को गांव भोतवास भोंदू निवासी कुलदीप शर्मा ने पुलिस शिकायत में बताया था कि उसके पास 3 जून 2025 को व्हाट्सएप कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने उसे घर बैठ काम करते हुए पैसा कमाने का लालच दिया था। उसने इसके लिए मना कर दिया। दो-तीन दिन बाद उसे टेलीग्राम पर एबीसीसी प्रोजेक्ट के बारे में फ्लैट बुकिंग प्रोजेक्ट में पैसा लगाने को कहा। उसके पास एक लिंक भेजकर उसे प्लान समझाया गया। उसने झांसे में आकर 8 ट्रांजेक्शन के जरिए 619389 रुपये बताए गए बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। उसने फ्लैट बुकिंग का लेटर या रसीद मांगी, तो उन लोगों ने रसीद या लेटर नहीं दिए। उससे और अधिक पैसे की मांग की गई, तो उसे ठगी का पता चला। पुलिस ने ठगी का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने एक और आरोपी राजस्थान जिला राजसमंद के गांव रेलमगरा निवासी भरत रैगर को भी गिरफ्तार कर लिया।

मौसम में जल्द बदलाव की संभावना, बादल छाने के बाद बूंदाबांदी के आसार

दिन में लू थपेड़ों से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

तापमान में वृद्धि का सिलसिला लगातार छठे दिन भी बना रहने से भारी गर्मी और लू के थपेड़ों ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। लू चलने से लोगों को दोपहर के समय घरों से बाहर निकलना मुश्किल बना हुआ है। मौसम में 28 अप्रैल से बदलाव आने की संभावना है। बादल छाने और तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है। शाम के समय मौसम में आए अचानक बदलाव से मौसम का मिजाज ठंडा पड़ गया। तेज आंधी के साथ कई इलाकों में बूंदाबांदी हुई, जिससे मौसम खुशगवार हो गया। बिजली के कई फीडर आंधी से ब्रेकडाउन हो गए, जिससे कई गांवों में ब्लैकआउट स्थिति बन गई। आंधी बंद होने के बाद बिजली कर्मियों ने लाइनों की पेट्रोलिंग करते हुए फीडरों को चालू करना शुरू किया। गत 22 अप्रैल के बाद ही तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। सुबह के समय आंशिक बादल छाने के बाद सोमवार को दोपहर तक आसमान साफ हो गया। इससे गर्म हवाएं चलनी शुरू हो गइं। अधिकतम तापमान 0.2 डिग्री की वृद्धि के साथ 43.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो सीजन का सर्वाधिक तापमान है। न्यूनतम तापमान 1.9 डिग्री की गिरावट के साथ 24.6 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। हवा में नमी का स्तर 19 प्रतिशत रहा। 18 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं।

तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लू का प्रकोप बढ़ गया, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम रही और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। बाजार में भी दोपहर के समय सन्नाटा देखने को मिला। गर्मी से बचने के लिए लोग छांव और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेते नजर आए। अस्पतालों में भी गर्मी और लू से प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। चिकित्सकों ने लोगों को धूप में निकलने से बचने, अधिक पानी पीने और हल्का भोजन करने की सलाह दी है।

शाम को आंधी के साथ बूंदाबांदी से बदला मौसम

रेवाड़ी। लू से बचाव करती जाती हुई युवतियां। फोटो : हरिभूमि

पश्चिमी विक्षोभ हो रहा सक्रिय

मौसम विभाग के अनुसार कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मंगलवार को मौसम में बदलाव को देखने को मिल सकता है। आसमान में घने या आंशिक बादल छा सकते हैं। तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी भी हो सकती है। अगले तीन-चार दिनों तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इससे दो दिन बाद तापमान में गिरावट देखने को मिल सकती है। इससे लोगों को झुलसाने वाली गर्मी से कुछ हद तक राहत मिल सकेगी।

बिजली की मांग में भी वृद्धि

भारी गर्मी के कारण बिजली का लोड भी बढ़ने लगा है। गर्मी के उपकरण एसी, फ्रीज, कूलर और पंखों का उपयोग बढ़ने से घरेलू क्षेत्र में बिजली की खपत काफी बढ़ गई है। बीते रविवार रात तक बिजली की दैनिक खपत 95 लाख यूनिट दर्ज की गई, जो इस सीजन की एक दिन की सर्वाधिक खपत है। अगर तापमान में जल्द गिरावट नहीं आती है, तो निगम के लिए ट्रांसफार्मरों को बचाने की चुनौती खड़ी हो जाएगी।

रोहतक,मंगलवार
28 अप्रैल 2026
हरिभूमि

सहेली

विशेषः विश्व हास्य दिवस, 3 मई

क्या आप हमेशा अपने काम में डूबी रहती हैं-काम.. काम.. बस काम। हंसी-ठिठोली से दूर, चेहरे पर जरा-सी भी मुस्कान नहीं। एक असहज जीवन, बोझिल-सा मन। यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। हंसिए जरूर। हंसी मन को संभालती है, तनावमुक्त रखती है, एक सुकून देती है। हंसी हमें सहज-सरल बनाती है। इतना ही नहीं, हंसी रिश्तों को भी जोड़ कर रखती है। हंसी हमें प्रफुल्लित रख जीवन को जीवंत बनाती है।

हंसो-हंसाओ बने रहो जीवंत

कवर स्टोरी

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

जन्म लिया बच्चा जो बोल नहीं पाता, वह मुस्कुराता है, हंसता है, इसी के जरिए दुनिया से अपना पहला रिश्ता बनाता है। शायद इसी कारण हंसी मात्र एक भाव नहीं, संवाद का एक खूबसूरत जरिया भी है। एक समय था, जब रिश्तों के भीतर हंसी-ठिठोली किसी जीवंत तंतु की तरह फैली रहती थी, जो उन्हें भीतर से जोड़े रखती थी। ऐसा भी नहीं है तब कामों की थकान और शिकायतें नहीं होती थीं, लेकिन इन सब पर भारी पड़ती थी-हंसी। यही हंसी, थके शरीर को एक राहत देती थी।

हंसी के लिए नहीं चाहिए होता था खास मौका

पहले के समय में हंसी किसी खास मौके की मोहताज नहीं होती थी, वह तो रोजमर्रा की गतिविधियों में घुली-मिली रहती थी। हंसी एक ऐसा संवाद होता था, जिसमें चलते-फिरते सब शामिल हो जाते थे-छोटा, बड़ा, बूढ़ा और जवान। हर किसी के पास हंसी का अपना एक किस्सा, एक अंदाज होता था। घर के आंगन में चार औरतें बैठीं नहीं कि बातें शुरू, इन बातों के बीच हंसी अपने आप जन्म ले लेती थी। दो लोगों को हंसते देख कब स्वयं भी हंसी का फव्वारा फूट पड़ता, पता ही नहीं चलता था। इस तरह हंसी हमें आपस में जोड़ती थी।

हंसी रिश्तों में घोलती थी मिठास

देवर-भाभी का रिश्ता तो जैसे हंसी का सबसे प्यारा संग-साथ होता था। नई बहू घर में आती, तो देवरों की शरारतें शुरू हो जातीं-कोई रास्ता रोक लेता, कोई नाम बिगाड़ देता, कभी खुद ही ऐसी बात कह बैठते कि भाभी ही नहीं, दादी, मां और बहनें भी हंसी में शामिल हो जातीं। भाभी भी कम नहीं होतीं-एक ही पंक्ति में ऐसा जवाब देती कि घर-आंगन ठहाकों से गूंज उठता। इसमें कोई मर्यादा नहीं टूटती थी- एक ऐसा अपनापन होता था, जो धीरे-धीरे रिश्तों को खोल देता था। सबसे खास बात यह होती थी कि उस समय कोई अकेला नहीं होता था। अगर किसी का चेहरा बुझा-बुझा सा दिख जाए, तो उसे यूं ही नहीं छोड़ दिया जाता। दो-चार औरतें पास बैठ जातीं और फिर शुरू हो जाती थी हल्की-फुल्की छेड़छाड़, जो धीरे-धीरे हंसी में बदल जाती। बिना समझाए, बिना समझे ही मन हल्का हो जाता था।

महसूस होता है एक सुकून

पहले के लोग भले ही ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं होते थे, लेकिन उन्हें जीने की समझ गहरी हुआ करती थी। उन्हें यह नहीं पता था कि हंसने से शरीर में एंडॉर्फिन बनता है या डोपामिन बढ़ता है, लेकिन इतना जरूर जानते थे कि खुलकर हंसने के बाद मन हल्का हो जाता है। आज विज्ञान बताता है कि जब हम हंसते हैं तो शरीर में ऐसे तत्व सक्रिय होते हैं, जो दर्द कम करते हैं, मन को स्थिर रखते हैं और तनाव घटाते हैं। साथ बैठकर हंसने से अपनापन बढ़ता है, भरोसा मजबूत होता है। यही कारण है कि खुलकर हंसने के बाद एक सुकून-सा महसूस होता है।

हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक

आज मनुष्य पहले से अधिक सक्षम है, मजबूत है, लेकिन कहीं न कहीं पहले से ज्यादा अकेला भी हो गया है। वह सब कुछ संभाल रहा है, पर किसी से अपने मन की कहने का अवसर उसे कम मिलता है। ऐसे समय में हंसी की जरूरत पहले से कहीं अधिक है। जरूरत यह नहीं कि हम पुराने समय में लौट जाएं, बल्कि यह है कि हंसी जैसी सरल और सुंदर आदत को फिर से अपने व्यवहार में जगह दें, मिलकर हंसने की आदत डालें। लोगों से संवाद करें। अपनी बात कहें, दूसरों की सुनें और बीच-बीच में खुलकर हंसें भी। रोज नहीं तो हफ्ते में एक दिन ही सही, थोड़ा समय अपनों के लिए निकालें, उनके साथसाथ बैठें, बिना किसी खास वजह के बातें करें। और अगर कोई चुप दिखाई दे, तो उसके पास जाकर बैठें, क्योंकि सच यही है कि सिर्फ बातों से किसी का दुख-तनाव कम नहीं किया जा सकता। कई बार एक सहज, साझा हंसी ही मन का सबसे बड़ा सहारा बन जाती है। हास्य दिवस हमें यही याद दिलाता है कि हंसी कोई व्यर्थ चीज नहीं है। हंसी में जीवन को हल्का करने की ताकत है, रिश्तों को जोड़ने की ताकत है और मन को संभालने का सबसे सरल उपाय भी यही है।

आइए, हम फिर से अपने जीवन में हंसी के लिए जगह बनाएं। आंगन छोटा हो तो क्या, दिल बड़ा रखें। हम बैठकी सजाएं, ठहाके लगाएं और एक-दूसरे से दिल की कहें, मौज-मस्ती करें, चुहलबाजी करें और हंसते रहें। क्योंकि अंत में हमारे साथ जो रह जाता है, वह केवल हमारी कमाई नहीं होती, बल्कि यह होता है कि हमने अपनी उस कमाई से कितनों के चेहरे पर सच्ची मुस्कान दी है।

प्यार और परवाह भरे हों छुट्टियों के दिन

समर वैकेशन का समय बच्चों के लिए दिन भर की व्यस्तता वाली नियमित दिनचर्या से भले अलग हो, लेकिन इस समय का सदुपयोग जरूरी है। इसके लिए एक प्लानिंग बना ली जानी चाहिए। पैरेंट्स और बच्चे मिलकर छुट्टियों को प्यार और परवाह भरे दिन बनाएं।

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

साल भर बाद आने वाली छुट्टियों यानी समर वैकेशन का समय सीमित ही होता है। यही दिन कहीं जाने या किसी के अपने घर आने के दिन भी होते हैं। इसीलिए सही प्लानिंग बनाकर बच्चों की रुचि के मुताबिक कुछ एक्टिविटीज से जुड़ने की राह चुनना जरूरी है। असल में छुट्टियों के सही उपयोग और नियोजन के लिए पहले दिन से ही कुछ बातें तय कर लेना जरूरी है। समर क्लासेस की ज्वाइनिंग से लेकर अपने रूम को ऑर्गनाइज्ड करने और हम उम्र साथियों के खेलने-कूदने के साथ ही परिवार संग वक्त बिताने के सहज से गाइडलाइंस को इस प्लानिंग का हिस्सा बनाएं। बीते एकेडमिक ईयर या आने वाली क्लास के मुताबिक कोई होमवर्क दिया गया हो तो उसे पूरा करने को लेकर भी टाइम टेबल बनाना चाहिए।

समझें समर क्लास की उपयोगिताः गर्मियों की छुट्टियों में समर कैंप या क्लासेस भी बच्चों के लिए कुछ नया सीखने-समझने का अच्छा अवसर होते हैं। इस समय बच्चे अपनी हॉबी या स्किल्स निखारने के लिए कोई कोर्स कर सकते हैं। इन स्किल्स के क्लासरूम में बच्चों पर अच्छा परफॉर्म करने का कोई मानसिक दबाव नहीं होता। प्रतियोगिता से दूर सहज माहौल में बच्चे कुछ नया सीखते हैं। समर क्लासेस बच्चों को क्रिएटिव मोर्चे पर मन का करने का अवसर देते हैं। हॉबी क्लासेस में बच्चे रचनात्मक रूप से बहुत सक्रिय रहते हैं। असल में समर क्लासेस में बच्चे अपने ही आस-पास की अनदेखी-अनजानी दुनिया को एक्सप्लोर करते हैं। गिनती के दिनों के ये क्लासरूम बच्चों की क्षमता और प्रतिभा को रचनात्मकता का प्यारा कैनवास देते हैं। जिस पर बच्चे बिना किसी तनाव के अपनी मर्जी के रंग भरते हैं।

बच्चों के लिए चुनें सही कोर्सः सभी पैरेंट्स सोचते हैं कि गर्मी की छुट्टी में बच्चों को क्या ऐसा कोर्स कराएं कि अवकाश के दिनों में भी उनका समुचित विकास हो। जरूरी यह है कि पैरेंट्स की इच्छा से बच्चों के रुचि-रुझान का भी मेल हो। इन दिनों क्रिकेट, स्केटिंग, योग, कसरत, डांस, म्यूजिक, स्केचिंग, पेंटिंग, स्टोरी टेलिंग और पब्लिक स्पीकिंग जैसी कई तरह की क्लास चलती हैं, पर कोई भी कोर्स नहीं चुना जा सकता। ना ही हर कोर्स, हर बच्चे के लिए सही होता है। इसीलिए घर के छोटे सदस्यों की रुचि और उम्र के अनुसार ही कोर्स का चयन करना आवश्यक है। इस मोर्चे पर पैरेंट्स अपनी पसंद बिलकुल भी न थोपें। छुट्टियां खुशियों का ही समय होता है। बिना किसी के दबाव के कलात्मक गतिविधियां करने से डोपामाइन हार्मोन बढ़ता है। यह हार्मोन बच्चों को खुशी और शांत मन की सौगात देता है। प्रसन्न और पॉजिटिव माइंडसेट से किए गए ऐसे शॉर्ट-टर्म कोर्स कई बार जिंदगी भर के लिए बच्चों के शौक की बुनियाद बना देते हैं।

घर में भी रचनात्मक गतिविधियां: समर क्लास या समर कैंप न जाने वाले बच्चे घर में भी क्रिएटिव छुट्टियां बिता सकते हैं। समर वैकेशन में आस-पड़ोस के बच्चे मिल-जुलकर कुछ नया सीख सकते हैं। कुछ एक्टिविटीज में तो पैरेंट्स भी शामिल हो सकते हैं। बच्चों के साथ पैरेंट्स कोई नई रेसिपी बना सकते हैं। इससे बच्चे घर और रसोई के छोटे-छोटे काम करना सीखेंगे। घर में पैरेंट्स के साथ क्वालिटी टाइम बिताते हुए बच्चे घर और अपना कमरा साफ रखने और चीजों को सही जगह पर जांचने का पाठ भी पढ़ सकते हैं। फुर्सत के पलों में सहज अंदाज में दिए गए अभिभावकों के दिशा-निर्देश बच्चों को बोझ भी नहीं लगते। इतना ही नहीं बच्चे ऑनलाइन क्लासेस के जरिए भी कोई नई भाषा सीख सकते हैं। तकनीकी फील्ड में रुचि हो तो कोडिंग, रोबोटिक्स या डिजिटल आर्ट के क्लास ले सकते हैं। सुबह-शाम बच्चों के साथ इंडोर गेम्स खेलने के लिए समय निकालना भी फुर्सत में कुछ पल बिताने का बहुत प्यारा तरीका है।

वर्कप्लेस चैलेंजेस-प्रॉब्लम्स को वर्किंग वूमेन ऐसे करें फेस

एडवाइस

ललिता गोयल

वर्किंग वूमेन के लिए घर के साथ वर्कप्लेस की जिम्मेदारियां निभाना आसान नहीं होता है। वहां भी उन्हें कई तरह के चैलेंजेस और प्रॉब्लम्स को फेस करना पड़ता है। ऐसे में परेशान होने के बजाय आपको उन्हें हैंडल करने का तरीका सीखना चाहिए।

आज के दौर में बहुत सी महिलाएं वर्किंग हैं। ऑफिस में वर्क प्रेशर के अलावा तरह-तरह के स्ट्रेस का सामना भी उन्हें करना पड़ता है। कुलीग और बॉस का नेचर, ऑफिस का माहौल, कंपनी पॉलिसीज, जेंडर भेदभाव, उचित सैलरी न मिलना, पर्सनल सेफ्टी की चिंता जैसी कई चुनौतियों का सामना वे करती हैं। हाल ही में हुए एक अध्ययन के मुताबिक वर्कप्लेस पर पुरुषों के मुकाबले में महिलाओं में बर्नआउट यानी मानसिक और शारीरिक थकान के मामले ज्यादा देखने को मिलते हैं। ऑफिस प्रॉब्लम्स से निपटने के लिए एक क्लीयर विजन और कॉन्फिडेंस की जरूरत होती है। जानिए, वर्किंग महिलाएं ऑफिस से जुड़ी समस्याओं को कैसे करें हैंडल?

मल्टीटास्किंग से बचें: एक समय में एक ही काम पर ध्यान केंद्रित करें, इससे गलतियां कम होती हैं। अगर आपके पास पहले से ही बहुत काम है, तो अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से बचें। अपनी जिम्मेदारियों और चुनौतियों के बारे में अपने मैनेजर या एचओडी से बात करें। संभव हो तो फ्लेग्जिबल वर्किंग ऑवर या वर्क फ्रॉम होम का ऑप्शन चुनें। कुलीग्स के साथ हेल्दी रिलेशन बनाएं।

जेंडर भेदभावः कई बार वर्कप्लेसेस पर गलत धारणाएं बना ली जाती हैं कि महिलाएं देर तक नहीं रुक सकतीं या शादी-मां बनने के बाद वे काम को लेकर कंसंट्रेट नहीं कर पाती हैं। इसे 'ग्लास सीलिंग' भी कहते हैं, जहां योग्यता के बावजूद उनको प्रमोशन या उचित इंक्रीमेंट नहीं मिलता है। इस समस्या से निपटने के लिए अपनी उपलब्धियों को डेटा और रिजल्ट्स के साथ पेश करें। कॉन्फिडेंट होकर अपनी बात रखें।

वर्कप्लेस सेफ्टीः ऑफिस में देर शाम तक काम के दौरान या फील्ड वर्क के दौरान सुरक्षा की चिंता, लगभग सभी वर्किंग वूमेन को होती है। इसके अलावा कई बार मेंटल टॉर्चर या हैरेसमेंट का भी उनको सामना करना पड़ता है। ऐसे में अपनी कंपनी की पॉलिसी के बारे में जागरूक रहें। किसी भी गलत व्यवहार को शुरुआत में ही टोकें। किसी भी तरह के भेदभाव या असुरक्षित व्यवहार को अनदेखा न करें और शिकायत दर्ज करने में जरा भी संकोच न करें।

वर्क प्रेशरः ऑफिस में पहले उन कामों को करें, जो ज्यादा जरूरी हैं। इसके अलावा गैरजरूरी काम या दूसरों के काम खुद न करें। अपने रोल के हिसाब से अपने कार्यों की पूरी लिस्ट बनाएं और इसके बाद इन्हें प्रायोरिटी के हिसाब से सेट कर लें। खुद को कभी भी ओवर वर्कलोडेड न रखें। हर काम को परफेक्ट बनाने की कोशिश कई बार तनाव बढ़ा देती है। इसलिए खुद से बहुत ज्यादा उम्मीद ना रखें। अगर कभी कोई काम समय पर नहीं हो पाता या परफेक्ट नहीं हो पाता तो खुद को दोष देने की बजाय अगले दिन उसे बेहतर तरीके से करें।

सीमाएं निर्धारित करें: ऑफिस टाइम के बाद बहुत इंपॉर्टेंट न होने पर कॉल्स या ई-मेल्स चेक करने से बचें। काम की लिस्ट बनाकर, उन्हें ऑफिस टाइम में ही पूरा करें। अगर आप ऐसा करती है तो दिन के आखिर में आपके सारे काम पूरे हो जाएंगे, जिससे फील गुड होगा।

(मनोवैज्ञानिक मीनाक्षी मनचंदा से बातचीत पर आधारित)

मन को ऐसे रखें रिलैक्स

आप अपने ऑफिस और घर दोनों की जिम्मेदारियां अच्छी तरह निभा पाएं, इसके लिए जरूरी है कि खुद को रिलैक्स रखें और मन को शांत रखें। मन शांत रखने के लिए आप डेली कुछ मिनट तक योगा, मेडिटेशन जैसी एक्टिविटी कर सकती हैं। एक्सरसइज भी मन को शांत रखने का एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। जब आप दिन की शुरुआत योगा या मेडिटेशन से करती हैं तो पूरा दिन एनर्जेटिक और हैप्पी फील होता है। इससे दिन भर आप वर्क प्रेशर को आसानी से संभाल सकती हैं। इसके साथ ही स्ट्रेस और थकान से बचने के लिए लगातार काम करने के बजाय छोटे-छोटे ब्रेक लेती रहें।

प्रेगनेंट महिलाओं के लिए फायदेमंद है लाफ्टर थेरेपी

प्रेगनेंट महिलाएं शारीरिक और मानसिक रूप से हेल्दी रहने के लिए कई उपाय आजमाती हैं। इसमें लाफ्टर थेरेपी भी बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसके क्या फायदे हैं और इसे कैसे करना चाहिए, जानिए।

थेरेपी

डॉ. गौरव गुप्ता
सीनियर साइकिएट्रिस्ट-सीईओ
तुलसी हेल्थकेयर, गुरुग्राम

गर्भावस्था हर महिला के जीवन का सबसे खास लेकिन चुनौतीपूर्ण दौर भी होता है। इस दौरान उनके शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव, शारीरिक असामान्यता और कई तरह की चिंताएं, महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। इस वजह से प्रेगनेंसी का दौर कुछ महिलाओं को मुश्किलों भरा लगने लगता है। ऐसे में गर्भवती महिला के मानसिक स्वास्थ्य और बच्चे की ग्रोथ पर इसका बहुत बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में लाफ्टर थेरेपी यानी हंसी को अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बनाना, मां और बच्चे दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है। आइए जानते हैं लाफ्टर थेरेपी और इससे होने वाले फायदों के बारे में।

लाफ्टर थेरेपी क्या हैः लाफ्टर थेरेपी एक नेचुरल हीलिंग तकनीक है, जिसमें हंसी के माध्यम से तनाव को कम किया जाता है। यह शरीर में एंडोर्फिन (हैप्पी हार्मोन) के स्तर को बढ़ाती है और कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) के स्तर को घटाती है।

लाफ्टर थेरेपी के फायदेः तनाव और चिंता में कमी गर्भावस्था में मानसिक तनाव आम बात है। हंसी से दिमाग में सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे मूड बेहतर होता है और चिंता का स्तर कम होता है।

नींद में सुधारः हंसी से शरीर रिलैक्स होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है।

यह गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी है।

इम्यूनिटी बूस्टरः लाफ्टर थेरेपी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है। इससे संक्रमण या मौसमी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

हार्मोनल बैलेंस में मददः हंसी हार्मोनल उतार और चढ़ाव को संतुलित करने में सहायक होती है, जिससे मूड स्विंग्स नियंत्रित रहते हैं।

डिलीवरी के लिए तैयारीः हंसने से फेफड़े और पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे श्वसन और रक्त संचार बेहतर होता है। यह डिलीवरी के समय सहनशक्ति बढ़ाने में मदद करता है।

शिशु पर सकारात्मक असरः मां के हंसने से गर्भ में पल रहे शिशु तक मां की सकारात्मक भावनाएं पहुंचती हैं। खुश मां का असर शिशु के विकास पर भी बहुत सकारात्मक रूप से पड़ता है।

कैसे करें लाफ्टर थेरेपीः रोजाना सुबह 10-15 मिनट हंसने की आदत डालें। लाफ्टर योगा या ग्रुप एक्टिविटीज का हिस्सा बनें। कॉमेडी फिल्में या हल्के-फुल्के टीवी शो देखें। परिवार और दोस्तों के साथ हंसी-मजाक में वक्त बिताएं।

प्रस्तुतिः निकिता चौहान

तब जरूर करें डॉक्टर से कंसल्ट

लाफ्टर थेरेपी, प्रेगनेंसी के दौरान दवारहित और पूरी तरह सुरक्षित उपाय है। यह मां के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर शिशु के स्वस्थ विकास में मदद करती है। हालांकि अगर गर्भावस्था में किसी प्रकार की मेडिकल जटिलता हो तो डॉक्टर की सलाह लेकर ही इस थेरेपी को अपनाना चाहिए।

गर्मी के मौसम में स्किन केयर गुलाब जल है बहुत कारगर

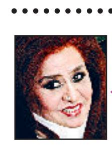

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

गुलाब जल का इस्तेमाल सुंदरता निखारने में सदियों से किया जा रहा है। शायद यही वजह है कि जब स्किन केयर की बात आती है तो गुलाब जल का नाम भी आता है। यह आपकी त्वचा और चेहरे को ठंडक प्रदान करता है, जबकि इसकी खुशबू आपको तरोताजा रखती है और मूड को बेहतर बनाती है। गर्मियों में गुलाब जल त्वचा के लिए एक नेचुरल टोनर, क्लींजर और हाइड्रेटर की तरह काम करता है। यह त्वचा को ठंडक, नमी और निखार देता है, साथ ही पीएच स्तर को संतुलित रखता है। यह टैनिंग, सनबर्न, मुंहासों और अतिरिक्त तेल को कम करने में बेहद प्रभावी है। इसे स्प्रे, टोनर या फेस पैक के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलाब जल स्प्रेः एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर गुलाब जल गर्मियों की तेज धूप से स्किन को सुरक्षित रखता है। गर्मियों में रूखी, बेजान चेहरे की त्वचा को तरोताजा रखने के लिए गुलाब जल को फेस मिस्ट के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसे एक बोतल में रखकर चेहरे पर स्प्रे कर सकती हैं। इसे पूरी तरह सोखने दें। अगर आप कील, मुंहासों और दाग-धब्बों से परेशान हैं तो आप रात को सोने से पहले कॉटन बॉल की मदद से गुलाब जल लगाएं और इसे रात भर लगा रहने दें। आप इसे चेहरे पर सीधे भी स्प्रे कर सकती हैं या गुलाब जल को आइस ट्रे में जमा लें और इन आइस क्यूब को चेहरे पर हल्के-हल्के हाथों से मसाज करें। इससे तपती धूप में ठंडक मिलेगी और चेहरे पर ग्लो दिखेगा। गर्मियों के दिनों में ऑयली स्किन पर पिंपल होना आम समस्या है। इससे निपटने के लिए एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में दो-तीन चम्मच गुलाब जल को मिलाकर बने पेस्ट को चेहरे पर लगा लें और इसे प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। पूरी तरह सूख जाने के बाद इसे ताजे ठंडे पानी से धो डालें।

डार्क सर्कलः गुलाब जल के उपयोग से आंखों के आस-पास डार्क सर्कल को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आप प्रभावित क्षेत्र में रूई की मदद से गुलाब जल लगाएं, जिससे त्वचा में नमी बढ़ेगी और डार्क सर्कल धीरे-धीरे कम होंगे। डार्क सर्कल के लिए गुलाब जल और ठंडे दूध को अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को कॉटन बॉल की मदद से आहिस्ता-आहिस्ता आंखों को नीचे लगाकर आधे घंटे बाद ताजे पानी से धो डालें। इसे सप्ताह में तीन बार आप यूज कर सकती हैं।

फेस पैकः पुदीने और गुलाब जल का पैक त्वचा को मुलायम बनाने में सहायक होता है। पुदीने के रस में एक चम्मच शहद और थोड़ा सा गुलाब जल मिलकर बने पैक को चेहरे पर कुछ देर तक लगाने के बाद ताजे पानी से धो डालें।

खबर संक्षेप

एचसीएस के लिए रोडवेज की विशेष बसों से सफर हुआ सुगम

नारनौल। हरियाणा सरकार के दिशानिर्देशों व उपायुक्त अनुपमा अंजलि के मार्गदर्शन में हरियाणा लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित एचसीएस एवं अन्य एलाइड सर्विसेज की प्रारंभिक परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों हेतु परिवहन के विशेष प्रबंध किए गए। यह जानकारी देते हुए रोडवेज महाप्रबंधक देवदत्त ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से चलाया गया यह अभियान बेहद सफल रहा। जिससे अभ्यर्थियों को अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में किसी प्रकार की बाधा का सामना नहीं करना पड़ा।

पक्षी सेवा में जुटे युवा शक्ति फाउंडेशन के सदस्य

नारनौल। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के इस दौर में जहां इंसान बेहाल है, वहीं बेजुबान पक्षियों के लिए पानी का संकट खड़ा हो गया है। इस संकट को देखते हुए युवा शक्ति फाउंडेशन सेका ने एक बड़ी मानवीय पहल की है। फाउंडेशन की टीम ने गांव के सार्वजनिक स्थानों व पेड़ों पर मिट्टी के बर्तन (सकोरे) बांधकर अभियान का आगाज किया।

सेक्टर में माता की चौकी कल

नारनौल। टाईगर क्लब परिवार के प्रधान राकेश यादव ने बताया कि अशोक कुमार गर्ग के निवास हुडा सेक्टर में माता की चौकी का आयोजन 29 अप्रैल को किया जाएगा। सचिव नरेंद्र बंसी व उपप्रधान राजेश सैनी ने बताया कि माता की चौकी सायं सात बजे से रात्रि 11 बजे की जाएगी। कार्यक्रम संयोजक टीटू सोनी ने बताया कि चौकी में मुख्य यजमान अशोक कुमार गर्ग, हर्ष कुमार गर्ग सपरिवार रहेंगे।

गाय बचाओ संस्कृति बचाओ रैली निकाली

नांगल चौधरी। गोरक्षा दल के प्रभारी सुधीर चौधरी व गो उपचारशाला के प्रधान बिरेंद्र गोठड़ी की संयुक्त अगुवाई में गोभक्तों ने एसडीएम उमेद सिंह की मार्फत प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। जिसमें गायों की सुरक्षा पर सख्त कानून बनाने व गोशालाओं को आर्थिक सहायता का विशेष पैकेज देने की गुहार लगाई।

गोठड़ी में युवाओं ने की गोसेवा

नारनौल। गोमाता उपचार शाला गोठड़ी में युवा शक्ति का सराहनीय रूप देखने को मिला। जहां युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के तत्वावधान में युवाओं ने मिलकर गोसेवा का कार्य किया। इस दौरान युवाओं ने गोशाला में पहुंचकर गायों की सेवा, साफ सफाई में सहयोग दिया। योगेश सैनी ने कहा कि टीम गोसेवा को लेकर विशेष अभियान चला रही है।

डीसी ने अधिकारियों सभी व्यवस्थाएं करने के दिए निर्देश

नीट परीक्षा में बायोमेट्रिक के बाद छात्रों को मिलेगी एंट्री

आगामी 3 मई को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए लघु सचिवालय में डीसी ने की अधिकारियों के साथ अहम बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। नीट परीक्षा को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए डीसी अभिषेक मीणा। फोटो : हरिभूमि

आगामी 3 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानि नीट परीक्षा के सफल संचालन के लिए सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में डीसी अभिषेक मीणा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। इस मौके पर डीसी ने अधिकारियों को समय रहते सभी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। डीसी मीणा ने कहा कि नीट यूजी परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण संपन्न कराया जाए।

डीसी ने सभी केंद्रों पर बिजली की निर्बाध आपूर्ति, पेयजल, शौचालय और सफाई व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को प्राथमिम चिकित्सा के लिए परीक्षा केंद्रों पर मेडिकल टीमें तैनात रखने के निर्देश दिए।

डीसी ने कहा कि परिवहन विभाग परीक्षार्थियों के लिए अतिरिक्त बसों का प्रबंध करेगा।

उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी और परीक्षार्थियों को बायोमेट्रिक सत्यापन के बांद एंट्री दी जाएगी।

एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि नीट परीक्षा को लेकर सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए पुख्ता व्यवस्था की गई है। उन्होंने पुलिस कर्मियों को परीक्षा केंद्रों के आसपास कड़ी निगरानी रखने और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

अभ्यर्थी समय का रखें विशेष ध्यान

डीसी ने परीक्षार्थियों से एक दिन पहले केंद्र की लोकेशन देखने और परीक्षा के दिन समय पर पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने अभ्यर्थियों को रिपोर्टिंग समय से पहले परीक्षा केंद्र में पहुंचने की सलाह दी। डीसी ने कहा कि निर्धारित समय के बाद आने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी स्थिति में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थी अपने साथ केवल एडमिट कार्ड और वैध पहचान पत्र ही लाएं। अभ्यर्थियों को अपने साथ पेन लाने की जरूरत नहीं है, क्योंकि केंद्र पर ही पारदर्शी पेन उपलब्ध कराया जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर पूर्ण प्रतिबंध

परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, ईयरफोन, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर व पेन ड्राइव जैसे सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा ज्योमेट्री बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, राइटिंग पैड, स्केल और इरेजर जैसी वस्तुएं भी ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा केंद्र में वॉलेट, हैंडबैग, बेल्ट, टोपी या किसी भी प्रकार के धातु के आभूषण पहनकर प्रवेश करने पर प्रतिबंध रहेगा। बैठक में बावल के एसडीएम संजीव कुमार, सीटीएम जितेंद्र कुमार, डीएसपी रविंद्र, जिला शिक्षा अधिकारी बिजेंद्र हुड्डा, सीएमओ डा. नरेंद्र दहिया व परीक्षा कॉर्डिनेटर मंजू सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

न्यूजपेपर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में गुनिका, अक्षिता व ऋत्वी बनी विजेता

■ इंडस वैली प्ले स्कूल में हुई इंटरक्लास फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

रेवाड़ी। अखबार से बनी फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे।

कोसली स्थित इंडस वैली प्ले स्कूल में इंटरक्लास न्यूजपेपर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर यूकेजी तक के बच्चों ने अखबार से तैयार किए गए आकर्षक और अनोखे परिधानों में भाग लेकर सभी को प्रभावित किया। नर्सरी वर्ग में गुनिका प्रथम, अल्बर्ट द्वितीय और जियान्श तृतीय रहे। एलकेजी में अक्षिता ने प्रथम, प्रियल द्वितीय और चार्विक तृतीय स्थान प्राप्त किया। यूकेजी में ऋत्वी प्रथम, अनन्या द्वितीय तथा सौम्या उरावी तृतीय रहीं। सभी विजेता बच्चों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्कूल के निदेशक अनिल किशोर ने कहा कि अखबार जैसे सरल साधन से बच्चों की कल्पनाशक्ति को नई दिशा दी जा सकती है और यह गतिविधि उनके समग्र विकास में सहायक है। इस अवसर पर प्रधानाचार्या मनोज, सुमन, पूनम, सीमा व शर्मिला सहित सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

सेन्सस पोर्टल पर स्व-गणना कर नागरिक निभाएं जिम्मेदारी: एसडीएम

■ स्व गणना का विकल्प आमजन के पास 30 अप्रैल तक, प्रक्रिया में लगते है 15 से 20 मिनट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

कोसली के एसडीएम विजय कुमार यादव ने कहा कि कोसली उपमंडल में स्व-गणना का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए नागरिक एसई.सेन्सस.जीओवी.इन पोर्टल पर परिवार और मकान संबंधित जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। इस प्रक्रिया को करने में मात्र 15 से 20 मिनट का समय लगता है। जनगणना प्रक्रिया को सरल और तकनीकी रूप से बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्व-गणना का विकल्प 30 अप्रैल तक आमजन के लिए उपलब्ध रहेगा। एसडीएम ने पोर्टल के माध्यम से उपमंडल के निवासियों से स्व-गणना करने का आह्वान किया है। एसडीएम ने बताया कि स्वगणना के लिए नागरिक पोर्टल पर मोबाइल नंबर एवं कोड के माध्यम से लागिन या पंजीकरण करें। इसके उपरांत डिजिटल मानचित्र पर अपने घर का स्थान चिन्हित करें। स्व गणना प्रपत्र में 33 प्रश्न शामिल होंगे, जिनमें परिवार के सदस्यों का विवरण, मकान का प्रकार एवं स्थिति ग्रामीण या शहरी, पेयजल, बिजली, स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं, सामाजिक, आर्थिक जानकारी, मोबाइल नंबर अनिवार्य रुप से शामिल है। विवरण भरने उपरांत जानकारी की समीक्षा का फार्म सबमिट कर दें।

इसके बाद नागरिक को अपनी एसई आईडी प्राप्त होगी। एक मई से 30 मई तक सत्यापन के समय जनगणना कर्मी को एसई आईडी प्रदान करें। एसडीएम ने नागरिकों से स्व-गणना प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है।

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में व्यावहारिक रूप प्रदान कर छात्रों को लाभान्वित करें

■ विषय को रोचकर बनाकर छात्रों को पढ़ाए अध्यापक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यशाला में शिक्षकों को संबोधित करते अधिकारी।

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी प्रदीप दहिया ने कहा कि कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को अध्यापक अपनी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में व्यावहारिक रूप प्रदान कर छात्रों को लाभान्वित करें व विषय को रोचक बनाकर छात्रों को पढ़ाया जाए। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सोमवार को सांस्कृतिक स्तोत्र एवं प्रशिक्षण केंद्र नई दिल्ली व स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से डाइट हुसैनपुर में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। जिला संसाधन व्यक्ति प्राचार्य अनिल यादव ने बताया कि शिक्षा में नाटक कला विषय पर कार्यशाला सीसीआरटी निदेशक राजीव कुमार व उपनिदेशक डा. आशुतोष कुमार के मार्ग निर्देशन में शिक्षा में नाटक कला विषय पर जिले में पहली बार आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में पांचों खंडों के 150 से अधिक शिक्षक भाग ले रहे हैं। विशिष्ट अतिथि उप जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र कुमार यादव ने अध्यापकों से आह्वान किया कि अपने कार्य का निष्पादन ईमानदारी के साथ करें।

गोमाता सनातन धर्म की आत्मा: बिजेंद्र गिरी

■ हिंदू व गोसेवा संगठनों ने गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। गोमाता को सम्मान दिलाने के लिए प्रदर्शन करते गोभक्त। फोटो : हरिभूमि

गोसेवा व हिंदू संगठनों की ओर से सोमवार को शहर की सड़कों पर उतरकर केंद्र सरकार से गोमाता को राष्ट्रमाता का गौरवपूर्ण दर्जा देने व गोहत्या पर पूर्ण रूप से रोक लगाने की मांग की। संगठनों के सदस्यों ने गोमाता को सम्मान दिलाने के लिए शहर में प्रदर्शन किया। इस मौके पर संत समाज से बिजेंद्र गिरी महाराज व पुष्पा शास्त्री का सान्निध्य रहा। सैकड़ों की संख्या में गोभक्तों ने गोमाता को साथ लेकर शहर में प्रदर्शन करते हुए प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, हरियाणा के राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम मांगपत्र सौंपा तथा गोहत्या पूर्ण रूप से बंद करने तथा गोमाता को राष्ट्रीय माता का दर्जा देने की मांग उठाई। इस मौके पर बिजेंद्र गिरी महाराज ने आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गोमाता केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की आत्मा है। हमारे शास्त्रों में वर्णित 33 कोटि देवी-देवताओं का वास गोमाता में है। साध्वी पुष्पा शास्त्री ने कहा कि आज समय आ गया है कि हम अपनी आस्था को संवैधानिक सम्मान दिलाएं। भाजपा सरकार को करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए अविलंब गोमाता को राष्ट्रमाता घोषित करना चाहिए तथा गोहत्या पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगना चाहिए।

ये रहे उपस्थित

गोक्रांति गोशाला से गोसेवक प्रदीप डागर ने कहा कि भारत की कृषि और अर्थव्यवस्था की धुरी गोवंश ही रहा है। राष्ट्रमाता घोषित होने से गो संरक्षण के कड़े कानून और बेहतर बुनियादी ढांचा तैयार होगा। इस अवसर पर शहीद गोरक्षक सोनू सरपंच के पिता शीशराम यादव, दलीप शास्त्री, दयाराम आर्य, हवासिंह डागर, समय सिंह, डा. युद्धवीर,दयानंद आर्य, श्याम सिंह, अन्नू डागर, चिंटू योगी, सूरज, हेमंत, भरती, काकू, पवन शर्मा, प्रमोद शर्मा, कैप्टन राजेंद्र सिंह, विकास सेन, मुकुट अग्रवाल, गीतेश डागर, सुमित शर्मा, प्रवीण सेन, विक्रम, टीम बजरंग दल व मोहित रामपुरा सहित सैकड़ों की संख्या में गोभक्त मौजूद थे।

नि:शुल्क कैंप में जांचा 128 मरीजों का स्वास्थ्य

■ यादव कल्याण सभा ने श्री कृष्ण भवन में लगाया जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कैंप में महिला की जांच करते हुए डॉक्टर तथा बैठक में सभा के सदस्यों को संबोधित करते प्रधान। फोटो : हरिभूमि

यादव कल्याण सभा की ओर से गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर व मासिक बैठक का आयोजन किया गया। कैंप में 128 मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने मेडिसन, हड्डी रोग, सर्जरी, नेत्र रोग व चर्म रोग में ओपीडी सेवाएं प्रदान की। कैंप के बाद यादव सभा की मासिक बैठक प्रधान रामबीर यादव की अध्यक्षता व महंत लाल दास महाराज मुख्य संरक्षक के सानिध्य में आयोजित की गई। सभा के जनरल सेक्रेटरी जसवंत सिंह ने महीने की आय-व्यय व अन्य गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि ओडिटोरियम का कार्य टैक्निशियन की उपलब्धता न होने के कारण फिलहाल रुका हुआ है, जिसे शीघ्र शुरू किया जाएगा। प्रधान रामबीर यादव ने प्रो. सुशांत यादव की ओर से अहीरवाल के महापुरुषों की तस्वीरें बनवाने के लिए आभार व्यक्त किया। महंत लाल दास महाराज ने युवा पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेकर समाज कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर प्रो. आरएस यादव, बाबू जगजीत सिंह, कमांडेंट आरके यादव, डा. आईएस खैरवाल, डा. आर के यादव, मनोज यादव, पीएस यादव, रामौतार, जगत सिंह, सुरेंद्र सिंह, राम सिंह, गोकल राम, डा. सुशांत, प्रो. सतीश यादव, प्रियंका यादव, सुरेंद्र, इंद्रजीत, राकेश, दिनेश व मंगेश उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानंद केवल संत नहीं युवाओं के प्रेरणास्रोत थे: डॉ. लांबा

■ युवा आत्मविश्वास, अनुशासन के साथ लक्ष्य की ओर हो अग्रसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

रेवाड़ी। विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के जीवन व प्रेरणा से अवगत कराते डा. रामोतार लांबा। फोटो :हरिभूमि

कोसली के राजकीय महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद के जीवन पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता कृषि विश्वविद्यालय बावल से सेवानिवृत्त डा. रामावतार लांबा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल एक संत नहीं, बल्कि एक महान राष्ट्रनिर्माता और युवाओं के प्रेरणास्त्रोत थे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे आत्मविश्वास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हों। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के प्रसिद्ध संदेश उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में नैतिक मूल्यों, चरित्र निर्माण और आध्यात्मिकता का महत्व पहले से अधिक बढ़ गया है। विवेकानंद का जीवन हमें सिखाता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का समग्र विकास होना चाहिए। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया।

लायंस भवन के हड्डी रोग जांच कैंप में 300 मरीजों को मिला लाभ

■ मरीजों को प्रदान की एक्स रे व रक्त जांच सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कैंप में मरीजों की जांच करते डॉक्टर। फोटो :हरिभूमि

सामाजिक सरोकार के तहत मॉडल टाउन स्थित लायंस भवन में दो दिवसीय नि:शुल्क हड्डी रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिल्ली अस्पताल से प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. अश्विनी मैचंद ने टीम के साथ मरीजों की जांच कर उचित परामर्श किया। शिविर के मुख्य आयोजक व्यवसायी तनुज गुप्ता ने डा. मैचंद व उनकी टीम का सम्मान किया। उन्होंने सहयोग के लिए लायन ओपी गुप्ता, लायन ऋषि सिंघल, लायन अभिषेक और लायन दीपक अग्रवाल का आभार जताया। कैंप में 300 मरीजों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। मरीजों को नि:शुल्क एक्स-रे व नि:शुल्क रक्त जांच की भी सेवाएं दी गई। शिविर के आयोजक तनुज गुप्ता ने बताया कि उन्हें स्वयं पूर्व में एक गंभीर चोट लगी थी, जिसका उपचार डा. अश्विनी मैचंद ने किया था। उन्हीं से प्रेरित होकर शिविर आयोजित किया गया ताकि जिले के लोगों को भी लाभ मिल सकें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा. एसएस यादव प्रबंध निदेशक एमआईएमएस अस्पताल मीरपुर आदि मौजूद रहे।

एक और दो मई को सरकार के खिलाफ करेंगे प्रदर्शन

कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ भूख हड़ताल शुरू

लंबित मांगों को लेकर दमकल केंद्र में 20वें दिन हड़ताल जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेवाड़ी। दमकल विभाग में भूख हड़ताल पर बैठे कर्मचारी।

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा वअग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर हड़ताली कर्मचारियों ने अपनी लंबित व ज्वलंत मांगों को लेकर दमकल केंद्र में 20वें दिन हड़ताल जारी रखते हुए सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। सोमवार को फायर कर्मचारियों ने 8 घंटे की क्रमिक भूख हड़ताल की, जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान नरेंद्र सिंह ने की तथा संचालन सुरेश कुमार व रामकुमार ने किया।

अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की मांगों के समर्थन में नगर परिषद व फायर यूनियन कर्मचारी भूख हड़ताल पर बैठे। इस मौके पर एसकेएस के प्रधान धनराज सिंह, सचिव सुनीता, जिला प्रधान नरेंद्र सिंह व सुरेश ने कहा कि फायर विभाग के कर्मचारियों की सभी जायज मांगों का पत्र जारी नहीं किया तो नगरपालिका कर्मचारी संघ भी इनके समर्थन में 1-2 मई को दो दिवसीय हड़ताल करेगा।

मृतक कर्मचारियों को दें शहीद का दर्जा

नरेंद्र सिंह ने कहा कि दो फायरकर्मियों ने अपनी ड्यूटी ईमानदारी से करते हुए शहादत दी। उन्होंने फरीदाबाद अग्निकांड में मृतक दमकल कर्मचारियों को शहीद का दर्जा देने, आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी पक्की नौकरी देने, पे-रोल व कौशल निगम कर्मचारियों को फायर ऑपरेटर के पदों पर समायोजित करने, पिछले 6 वर्षों से लंबित वेतन वृद्धि का एरियर सहित भुगतान करने, पालिका कर्मचारियों के साथ मानी गई मांगों के पत्र जारी करने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की मांगी।

सरपंच ग्राम पंचायत सिहास
ब्लॉक जाटुसाना, जिला रेवाड़ी-123401

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिहास खण्ड जाटुसाना, जिला रेवाड़ी में पंचायत स्तर पर डोर टू डोर कचरे का नियमानुसार संग्रहण एवं निपटान करवाया जाना है। उक्त कार्य करने के लिए इच्छुक फर्म अपनी कुटेशन सरपंच के पास दिनांक 02.05.2026 तक जमा करवा सकती है। इसके बाद कोई भी कुटेशन मान्य नहीं होगी।

हस्ता/- सरपंच
ग्राम पंचायत सिहास (रेवाड़ी) मोबाइल नं. 9818330999

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह 29 को संभालेंगे मोर्चा, कैप्टन और उनके पुत्र कूद चुके प्रचार मैदान में

छोटे चुनावों में 'बड़ों' का खुलकर दखल दो दिग्गजों की प्रतिष्ठा रहेगी दांव पर

नरेन्द्र वत्स. ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। नगर परिषद कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

राव इन्द्रजीत सिंह

कै. अजय यादव

विनीता पीपल

नेहारिका चौधरी

आगामी 10 मई को होने जा रहे नगर परिषद और धारूहेड़ा नगर पालिका के चुनाव भले ही 'छोटे चुनाव' माने जा रहे हों, परंतु इनमें प्रतिष्ठा दो दिग्गजों की दाव पर लग चुकी है। भाजपा प्रत्याशियों के लिए केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह 29 अप्रैल से प्रचार का मोर्चा संभालने जा रहे हैं, तो कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव बेटे के साथ मिलकर जीत की रणनीति को मुकाम तक पहुंचाने में लग चुके हैं। शहरी जिलाध्यक्ष प्रवीन चौधरी की पत्नी नेहारिका चौधरी रेवाड़ी में चेयरमैन पद के लिए चुनाव लड़ रही हैं। धारूहेड़ा में राज देवी कांग्रेस की टिकट पर मैदान पर हैं। दोनों को टिकट पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव की अनुशंसा पर मिली है, इसलिए दोनों को जिताने का दारोमदार भी उन्हीं के कंधों पर है। कैप्टन और उनके बेटे पूर्व विधायक चिरंजीव राव ने एक दिन पूर्व ही अपने समर्थकों की बैठक बुलाकर पार्टी प्रत्याशियों को जीत दिलाने के लिए खुलकर मैदान में उतरने के निर्देश दे दिए हैं। कांग्रेस इस बार निकाय चुनावों में किसी भी सूरत में जीत हासिल करने के लिए प्रयासरत है। पार्टी में टिकट के दावेदारों की संख्या ज्यादा नहीं थी, इसलिए टिकट फाइनल होने के बाद शकुंतला भांडोरिया ने ही पार्टी से 'बगावत' करते हुए नामांकन दाखिल किया है। एक अन्य दावेदार रेखा दहिया को कांग्रेस ने वार्ड प्रत्याशी बना दिया है। भांडोरिया की बगावत का ज्यादा असर अभी देखने को नहीं मिल रहा है। उन्होंने कांग्रेस का बड़ा वोट बैंक उनके साथ होने के दावे किए थे, लेकिन कैप्टन की मीटिंग के बाद इन दावों में कोई दम नजर नहीं आया।

राव कल करेंगे प्रचार की शुरूआत

निकाय चुनावों में दशकों से राजनीतिक विरोधी रहे राव इंद्रजीत सिंह और कैप्टन अजय सिंह यादव एक बार फिर आमने-सामने होंगे। दोनों निकाय में भाजपा और कांग्रेस ने इन दोनों धुरंधरों के पसंदीदा चेहरों को प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा है। हार-जीत को लेकर इन दोनों की ही प्रतिष्ठा सबसे अधिक दाव पर रहेगी। राव 29 अप्रैल को कार्यालय का शुभारंभ करते हुए भाजपा प्रत्याशी विनीता पीपल की जीत की रणनीति को अंतिम रूप प्रदान करेंगे। इसके बाद वह प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार अभियान भी तेज करेंगे।

इस बार भाजपा में बदल रहे हालात

नगर परिषद के पिछले चुनावों में राव समर्थित पूनम को टिकट दिए जाने के बाद भाजपा में जमकर घमासान हुआ था। पार्टी के एक खेमे ने पूनम को हराने के लिए खुली बगावत का ऐलान कर दिया था। खुले विरोध के बावजूद राव अपनी समर्थित प्रत्याशी को चेयरमैन की कुर्सी पर आसीन कराने में सफल हो गए थे। इस बार भी भाजपा में टिकट के दावेदारों की लंबी फेहरिस्त थी। टिकट से वंचित प्रमुख दावेदारों ने बगावत की बजाय पार्टी प्रत्याशी का खुलकर साथ देने की बात कही है, जिसकी हकीकत आने वाले दिनों में पता चल सकेगी।

वरिष्ठ नेताओं की चुप्पी बनी 'रहस्य'

भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेता ऐसे हैं, जो चुनावों के दौरान केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के खिलाफ खुलकर मैदान में उतरने से गुरेज नहीं करते। इस बार भी टिकट राव के खाते में जाने के बावजूद इनमें से किसी भी नेता ने न तो पार्टी प्रत्याशियों का खुलकर साथ देने और न ही विरोध करने के लिए अभी अभी तक अपना मुंह खोला है। राव विरोधी खेमे से जुड़े कई भाजपा नेताओं की सक्रियता अब कमजोर पड़ रही है, जिस कारण विरोध की गुंजाइश इन चुनावों में कम देखने को मिल सकती है।

सीएम के दौरे पर भी रहेंगी निगाहें

चुनाव प्रचार जोर पकड़ने के बाद प्रदेश के सीएम नायब सिंह सैनी 2 मई को रेवाड़ी आएंगे। इस दौरान वह प्रचार के लिए धारूहेड़ा भी जा सकते हैं। विनीता और जांगड़ा के समर्थन में राव और नायब की जोड़ी एक साथ प्रचार मैदान में नजर आ सकती है, जो भाजपा प्रत्याशियों के लिए काफी मददगार साबित हो सकेगी। कांग्रेस में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह पार्टी प्रत्याशियों के लिए प्रचार करने के लिए आएंगे। दिग्गजों के चुनाव मैदान में उतरने के बाद ही प्रचार जोर पकड़ने लगेगा।

खबर संक्षेप

उम्मीदवार आज दोपहर तीन बजे तक ले सकते नामांकन वापस

रेवाड़ी। नगर परिषद रेवाड़ी के रिटर्निंग अधिकारी एवं एडीसी राहुल मोदी ने बताया कि नगर परिषद रेवाड़ी में 25 अप्रैल तक प्राप्त किए गए नामांकन पत्रों की जांच कर ली गई है। उन्होंने बताया कि यदि कोई उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र वापस लेना चाहता है तो वह 28 अप्रैल को दोपहर 3 बजे तक उपस्थित होकर अपना नामांकन वापस ले सकता है। निर्धारित समय के बाद नामांकन पत्र वापस नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि 28 अप्रैल को दोपहर 3 बजे के बाद लघु सचिवालय के कमरा नंबर 113 जिला नगराधीश न्यायालय में उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे।

नप रेवाड़ी व नपा धारूहेड़ा के लिए जनरल ऑब्जर्वर नियुक्त

रेवाड़ी। राज्य चुनाव आयोग हरियाणा की ओर से नगर परिषद रेवाड़ी व नगरपालिका धारूहेड़ा के आम चुनाव को लेकर जनरल ऑब्जर्वर नियुक्त किए है। रेवाड़ी नगर परिषद के लिए जगनिवास और नगर पालिका धारूहेड़ा के लिए तरुण कुमार पावरियां को जनरल ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। कोई भी नागरिक पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में संबंधित जनरल ऑब्जर्वर के समक्ष चुनाव को लेकर सुझाव या शिकायतें दे सकते हैं। इसके अलावा नगर परिषद रेवाड़ी व नगर पालिका धारूहेड़ा में व्यय पर्यवेक्षक के रूप में प्रीति चौधरी को नियुक्त किया गया है।

बेटी के जन्म पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया कुआं पूजन

रेवाड़ी। खोल खंड के गांव शहबाजपुर इस्तमुरार में बेटी के जन्म के उपलक्ष्य में कुआं पूजन समारोह आयोजित किया गया। परिवार और गांव के लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ इस शुभ अवसर को हर्षोल्लास से मनाया। कार्यक्रम में नवजात बच्ची की मां सीनू ने महिलाओं के साथ पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने मंगल गीत गाए और पारंपरिक रस्मों का निर्वहन किया। कुआं पूजन के दौरान परिवार के बुजुर्गों ने बच्ची के उज्ज्वल भविष्य और सुखद जीवन की कामना की। इस मौके पर बच्ची के दादा सुरेंद्र कुमार और पिता अमित यादव ने कहा कि बेटी घर की लक्ष्मी होती है और उसके जन्म से परिवार में खुशियां आई हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बेटियां भी बेटों की तरह परिवार व क्षेत्र का नाम रोशन कर रही है, इसलिए समाज को बेटियों को भी समान अधिकार देने चाहिए। ग्रामीणों ने बेटी के जन्म पर खुशी व्यक्त करते हुए परिवार को बधाई दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रिश्तेदार और गांव के गणमान्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 9 को, 30 मई को निपटाए जाएंगे चेक बाउंस के मामले

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार जिला न्यायालय में 9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत तथा 30 मई और 18 जुलाई को चेक बाउंस मामलों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालतों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी-सह-सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक ऋण विवाद, चेक बाउंस मामले, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, श्रम विवाद संबंधी मामलों सहित अन्य लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों का आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित, सरल एवं निःशुल्क निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों के चेक बाउंस से संबंधित मामले न्यायालयों में लंबित हैं और जो अपने मुकदमों का समाधान आपसी सहमति से कराना चाहते हैं, वे अपने संबंधित न्यायालय में 29 मई तक किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर अपने मामले को विशेष लोक अदालत के लिए विचारार्थ प्रस्तुत कर सकते हैं तथा अपने मामलों का निस्तारण कराकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

आईजीयू में पर्यावरण संरक्षण पर पोस्टर मेकिंग व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग की केमिकल सोसायटी की ओर से पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधरोपण, पोस्टर मेकिंग व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में सभी ने मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सबसे पहले सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर महिला छात्रावास में पौधे लगाए। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर करण सिंह ने सभी को पेड़ों के जीवन में महत्व से अवगत कराया। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नीरू, द्वितीय स्थान भारती व तृतीय स्थान सिखा ने हासिल किया। वही पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मुस्कान, द्वितीय स्थान प्रीति व तृतीय स्थान गुरवीन ने हासिल किया। कार्यक्रम में केमिकल सोसायटी के सदस्य व विभाग के सभी शिक्षक मौजूद थे।

शहरी निकाय चुनाव को पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था करें अधिकारी

- शहरी निकाय चुनाव के प्रबंधों को लेकर पुलिस ऑब्जर्वरों ने ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। चुनाव को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए पुलिस ऑब्जर्वर।

राज्य चुनाव आयोग हरियाणा की ओर से 10 मई को जिले में नगर परिषद रेवाड़ी और नगर पालिका धारूहेड़ा में कराए जाने वाले चुनाव के लिए पुलिस ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं। रेवाड़ी नगर परिषद के पुलिस ऑब्जर्वर डीआईजी अभिषेक जोरवाल और धारूहेड़ा नगरपालिका की पुलिस ऑब्जर्वर डीआईजी संगीता कालिया ने सोमवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक की। इस मौके पर डीसी अभिषेक मीणा और पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा ने जिले में होने वाले शहरी निकाय चुनाव के संबंध में की गई तैयारियां और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। इस मौके पर डीआईजी संगीता कालिया ने कहा कि जिले में कराए जाने वाले शहरी निकाय चुनाव को लेकर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की जाए। जिले के सीमावर्ती इलाकों सहित जरूरी स्थानों पर नाके लगाए जाएं। नाकों पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाए। इसके अलावा पुलिस गश्त भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के सभी प्रबंध किए जाए। डीआईजी अभिषेक जोरवाल ने कहा कि शहरी निकाय के चुनाव शांतिपूर्वक माहौल में संपन्न कराए जाएं। मतदान केंद्रों के अंदर व बाहर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए जाए। चुनाव में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और समय रहते सभी तैयारियां करें। मतगणना केंद्रों पर भी सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था होनी चाहिए। चुनाव के दौरान प्रलोभन देने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस अवसर पर नगर परिषद रेवाड़ी रिटर्निंग अधिकारी एवं एडीसी राहुल मोदी, नगर पालिका धारूहेड़ा रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम सुरेश कुमार व सीटीएम जितेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नशा मुक्ति की दिशा में पुलिस के प्रयास जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला पुलिस की ओर से नशा मुक्ति और समाजिक जागरूकता की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे है। निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में गठित नशा मुक्ति टीम ने सोमवार को प्रथम इंटरनेशनल स्कूल देवलावास व गवर्नमेंट स्कूल करनावास में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। इस मौके पर इंस्पेक्टर रामपाल ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। उन्होंने युवाओं से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। विद्यार्थियों को यातायात नियमों की भी जानकारी दी गई और वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट लगाने और यातायात संकेतों का पालन करने का आह्वान किया।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर पुलिस का शिकंजा, 1237 के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। चालक में शराब की मात्रा चैक करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

जिला पुलिस की ओर से ट्रैफिक नियमों की प्रति सख्ती बरती जा रही है। पुलिस की ओर से प्रति सप्ताह एक हजार से अधिक वाहन चालकों पर शिकंजा कसा जा रहा है। ट्रैफिक पुलिस की ओर से गत सप्ताह ड्रिंक एंड ड्राइव, वाहनों में तेज डीजे-प्रेशर हॉर्न बजाने, लेन चेंज नियमों की अवहेलना करने व बुलेट बाइक में पटाखा छोड़ने वाले 1237 चालकों पर कार्रवाई कर चालान काटे गए।

पुलिस ने ड्रिंक एंड ड्राइव अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वाले 32 वाहन चालकों के चालान किए गए। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि अक्सर देखने में आता है कि रात्रि के समय काफी वाहन चालक नशे में धुत होकर वाहन चलाते हैं, जिससे वह अपने आप को तो खतरे में डालते ही हैं साथ में सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालक के लिए भी खतरा बन जाते है। शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है और यह मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 185 के तहत दंडनीय अपराध है। अभियान के दौरान पुलिस ने ध्वनि प्रदूषण करने वाले 3 वाहन चालकों पर शिकंजा कसा। इनके अलावा पुलिस ने गत सप्ताह में लाल व नीली बत्ती लगाने पर 1 व लेन चेंज से संबंधित नियमों की अवहेलना पर 1201 वाहन चालकों के चालान किए।

एसपी हेमेंद्र मीणा ने कहा कि शहर में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जो भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि गाड़ियों में ब्लैक फिल्म का प्रयोग न करें। नशे की हालत में वाहन चलाकर अपनी और दूसरों की जान जोखिम में न डालें। बुलेट मोटरसाइकिल में पटाखा छोड़ने व ध्वनि प्रदूषण करने से बचें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

पुलिस ने फ्लैग मार्च के माध्यम से आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा की

शहरी निकाय चुनावों को लेकर पुलिस अलर्ट, शहर में निकाला फ्लैग मार्च

रेवाड़ी। चुनाव को लेकर शहर में फ्लैग मार्च करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

- संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिस की टीमें लगातार गश्त कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

आगामी शहरी निकाय आम चुनाव व पंचायतीराज संस्थाओं के उप चुनावों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला पुलिस अलर्ट मोड पर है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन व शहर थाना प्रभारी निरीक्षक सूबे सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम की ओर से शहर के विभिन्न हिस्सों में फ्लैग मार्च निकाला गया। पैदल मार्च के दौरान पुलिस टीमों ने शहर के मुख्य बाजारों, व्यस्त चौराहों और चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया। पुलिस ने फ्लैग मार्च के माध्यम से आमजन में सुरक्षा की भावना पैदा की और असामाजिक तत्वों को संदेश दिया। थाना शहर प्रभारी सूबे सिंह ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने और कानून का उल्लंघन करने वाले बेड एलिमेंट्स को चिन्हित किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। चुनाव के दौरान संवेदनशील स्थानों और प्रमुख चौराहों पर नाकाबंदी और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने सभी शस्त्र लाइसेंस धारकों को अपने हथियार संबंधित थाने या अधिकृत गन हाउस में तुरंत जमा कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि आदेश की अवहेलना करने वालों के लाइसेंस रद्द करने व नियमानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिस की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं।

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र के इस उत्सव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में पुलिस का सहयोग करें।

किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि नजर आए, तो तुरंत पुलिस को डायल 112 पर सूचित करें।

छात्र संघ चुनाव बहाल कराने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से प्रदेश में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव बहाल कराने को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को रेवाड़ी इकाई की ओर से केएलपी कॉलेज तथा राजकीय महिला महाविद्यालय बावल में प्राचार्यों को ज्ञापन सौंपा गया। एबीवीपी के प्रदेश सहमंत्री परमिंदर सैनी तथा विभाग संयोजक युधिष्ठिर धनखड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने छात्रसंघ चुनावों को पुनः बहाल करने की मांग उठाई। छात्रसंघ चुनाव विद्यार्थियों के लिए लोकतंत्र की पहली पाठशाला होते हैं, जिनसे उनमें नेतृत्व क्षमता, संगठन कौशल और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता विकसित होती है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि वर्ष 1996 के बाद हरियाणा में छात्रसंघ चुनाव बंद होने से विद्यार्थियों को अपने प्रतिनिधि चुनने के अधिकार से वंचित होना पड़ा है। वर्ष 2018 में अप्रत्यक्ष चुनाव कराए गए थे, लेकिन उसके बाद से अब तक चुनाव आयोजित नहीं किए गए हैं, जो कि छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों के विरुद्ध है।

मौके पर ये मौजूद रहे

इस मौके पर प्रदेश कार्यकारणी सदस्य कन्नुप्रिया, केएलपी कॉलेज इकाई मंत्री अन्नु यादव, उपाध्यक्ष नितिन यादव, नगर मंत्री राजश्री वशिष्ठ, राजकीय महिला महाविद्यालय बावल इकाई अध्यक्ष उर्वशी, इकाई मंत्री गुंजन, एसएफएस संयोजिका भूमि, कार्यकारिणी सदस्य ज्योति सहित रमाकांत, आदेश व सुदर्शन मौजूद थे।

रेवाड़ी। बावल कॉलेज में ज्ञापन सौंपते हुए एबीवीपी कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि